

---

# KAveri Bhujangastotram

---

## कावेरीभुजङ्गस्तोत्रम्

---

### Document Information



---

Text title : kAverIbhujangastotram

File name : kAverIbhujangastotram.itx

Category : devii, nadI, bhujanga, devI

Location : doc\_devii

Transliterated by : Suresh Pitre suresh.pitre at gmail.com

Proofread by : Suresh Pitre, PR Kannan, PSA Easwaran

Description-comments : Kaveri Rahasyam

Latest update : September 11, 2020

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



कावेरीभुजङ्गस्तोत्रम्



कथं सह्यजन्ये सुरामे सजन्ये  
प्रसन्ने वदान्याः भवेयुर्वदान्ये ।  
सपापस्य मन्ये गतिमम्ब मान्ये  
कवेरस्य धन्ये कवेरस्य कन्ये ॥ १ ॥

कृपाम्बोधिसङ्गे कृपाद्रान्तरङ्गे  
जलाक्रान्तरङ्गे जवोद्योतरङ्गे ।  
नभश्शुम्बिवन्येभसम्पद्धिमान्ये  
नमस्ते वदान्ये कवेरस्य कन्ये ॥ २ ॥

समा ते न लोके नदी ह्यत्र लोके  
हताशेषशोके लसत्तट्यशोके ।  
पिबन्तोऽम्बु ते के रमन्ते न नाके  
नमस्ते वदान्ये कवेरस्य कन्ये ॥ ३ ॥

महापापिलोकानपि स्नानमात्रान्  
महापुण्यकृद्भिर्महत्कृत्यसद्भिः ।  
करोष्यम्ब सर्वान्सुराणां समानान्  
नमस्ते वदान्ये कवेरस्य कन्ये ॥ ४ ॥

अविद्यान्तकर्त्री विशुद्धप्रदात्री  
सस्यस्यवृद्धिं तथाऽऽचारशीलम् ।  
ददास्यम्ब मुक्तिं विधूय प्रसकित्म्  
नमस्ते वदान्ये कवेरस्य कन्ये ॥ ५ ॥

॥ इति कावेरीभुजङ्गस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Suresh Pitre suresh.pitre at gmail.com

This is not the complete stotra but is as given in the Kaverirahasya.

*KAveri Bhujangastotram*

pdf was typeset on February 2, 2024

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

